भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 02 जुलाई, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में सक्रिय मानसून की स्थिति जारी रहने की संभावना है, तथा आज पूर्वी राजस्थान और मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥20 सेमी) होने की संभावना है।

आज दिनांक 02 जुलाई, 2025 को 0830 बजे तक पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति:

- पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- मध्य प्रदेश, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, ओडिशा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है; पूर्वी उत्तर प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, केरल, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- मराठवाड़ा, मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा, बिहार, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, तमिलनाडु, केरल, रायलसीमा, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर 40-60 किमी प्रति घंटे की गति के साथ तूफानी/तेज हवाओं के साथ तूफान आया।

अधिक जानकारी के लिए: कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

मौसम प्रणालियाँ:

- मानसून की द्रोणिका सक्रिय है और समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के करीब है।
- दक्षिण झारखंड और उसके आसपास के इलाकों में एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुकते हुए मध्य क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ है।
- दक्षिण-पूर्व राजस्थान से लेकर मध्य मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़ से होते हुए बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम तक एक द्रोणिका बनी हुई है, जो दक्षिण झारखंड और उसके आसपास के इलाकों, निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों में गंगा के तटीय पश्चिम बंगाल पर बनी हुई है और ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुक रही है।
- निचले क्षोभमंडल स्तरों में पूर्वोत्तर असम पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वी और मध्य भारत:

- 02-08 जुलाई के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, ओडिशा में; 02-06 जुलाई के दौरान बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, झारखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा; 02-06 के दौरान मध्य प्रदेश में; 02, 05 और 06 जुलाई को छत्तीसगढ़, ओडिशा में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान क्षेत्र में आंधी, बिजली गिरने के साथ अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 02 जुलाई को पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥20 सेमी) होने की संभावना है।
- 02-08 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा और चंडीगढ़ में; 02-06 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; 05-08 जुलाई के दौरान पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 02-04 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान; 02 और 05-08 जुलाई के दौरान जम्मू में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है तथा 05-07 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 06 और 07 जुलाई को पंजाब, हरियाणा और 02-04 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा के साथ-साथ आंधी, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- 02 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥20 सेमी) होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों, गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और सौराष्ट्र और कच्छ में भारी वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा, गरज के साथ तूफान, बिजली गिरने तथा कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, जबकि 5 और 6 जुलाई को मेघालय में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 02 जुलाई को तटीय आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में; 02-05 जुलाई के दौरान केरल और माहे, 02-08 जुलाई के दौरान कर्नाटक अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना; 02 जुलाई को केरल और कर्नाटक में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज़ सतही हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।
- अगले 7 दिनों के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, तेलंगाना में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम वर्षा; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ छिटपुट वर्षा, बिजली गिरने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 02 जुलाई से 07 जुलाई 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचें:

अरब सागर:

गुजरात, कोंकण, गोवा तटों के साथ-साथ; सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों, ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों के साथ-साथ; पहले दिन से पांचवें दिन (02 से 7 जुलाई) के दौरान मध्य और आसपास के उत्तर, दक्षिण अरब सागर के ऊपर; पहले दिन (02 जुलाई) के लिए उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में, पांचवें दिन (6 जुलाई) के लिए उत्तर अरब सागर के दक्षिणी हिस्सों में जाने से बचें।

बंगाल की खाड़ी:

मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्से; पहले दिन से पांचवें दिन तक (02 से 7 जुलाई) आंध्र प्रदेश के उत्तरी तट के साथ-साथ; पहले दिन (2 जुलाई) ओडिशा, पश्चिम बंगाल के तटों के साथ-साथ; पहले और दूसरे दिन (02 और 03 जुलाई) बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और मन्नार की खाड़ी के कुछ उत्तरी हिस्से; चौथे दिन (05 जुलाई) बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्वी हिस्से के कुछ उत्तरी हिस्से; पहले दिन (02 जुलाई) बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से के अधिकांश हिस्से में जाने से बचें।

उपर्युक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने के काम को पूरी तरह से स्थगित करने का सुझाव दिया गया है।

ii. 02 से 05 जुलाई 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **पूर्वी राजस्थान**: खानपुर (जिला झालावाड़) 20; असनावर एसआर (जिला झालावाड़), जिओला एसआर (जिला अजमेर) 18 प्रत्येक; मालपुरा (जिला टोंक) 15; हुरड़ा एसआर (जिला भीलवाड़ा), रामगंजमंडी एसआर (जिला कोटा) 14 प्रत्येक; सांगोद (जिला कोटा), भैंसरोडगढ़ एसआर (जिला चित्तौड़गढ़), केकड़ी एसआर (जिला अजमेर) 13 प्रत्येक; अकलेरा (जिला झालावाड़), विजयनगर एसआर (जिला अजमेर), बिजोलिया एसआर (जिला भीलवाड़ा), भिनाय एसआर (जिला अजमेर) 11 प्रत्येक; कोटा-एयरो (जिला कोटा), मसूदा एसआर (जिला अजमेर), झालरापाटन एसआर (जिला झालावाड़) 10 प्रत्येक; मंडरायल एसआर (जिला करौली), लाडपुरा एसआर (जिला कोटा), नसीराबाद (जिला अजमेर) 9 प्रत्येक; बकानी एसआर (जिला झालावाड़), सरवर (जिला अजमेर) 8 प्रत्येक; मनोहर थाना (जिला झालावाड़), छीपाबड़ौद एसआर (जिला बारां), देवली (जिला टोंक) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: छपारा (जिला सिवनी) 18; गाडरवारा (जिला नरसिंहपुर), बैहर (जिला बालाघाट) 7 प्रत्येक;
- कोंकण और गोवा: जव्हार (जिला पालघर) 17; मोखेडा - एफएमओ (जिला पालघर) 13; संगुएम (जिला दक्षिण गोवा) 10; विक्रमगढ़ (जिला पालघर), सावंतवाड़ी (जिला सिंधुदुर्ग), लांजा (जिला रत्नागिरी) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: राजगढ़ (जिला राजगढ़) 15; गुना-औस (जिला गुना) 12; ब्यावरा (जिला राजगढ़) 11; भानपुरा (जिला मंदसौर) 10; खिलचीपुर (जिला राजगढ़), भोपाल अरेरा हिल्स (जिला भोपाल), पिपरिया (जिला नर्मदापुरम) 9 प्रत्येक; बैरागढ़ हवाई अड्डा (जिला भोपाल) 8; विजयपुर (एडीपी) (जिला श्योपुर), आरोन (जिला गुना), जीरापुर (जिला राजगढ़), करहल (जिला श्योपुर), कोलार (जिला भोपाल) 7 प्रत्येक;
- **ओडिशा**: कोटपाड़ (जिला कोरापुट) 15; जयपोर (जिला कोरापुट) 14; सिमिलिगुडा (जिला कोरापुट) 12; कोरापुट (जिला कोरापुट) 11; भुबन (जिला ढेंकनाल), बोरीगुम्मा (जिला कोरापुट) 9 प्रत्येक; कटक (जिला कटक), रायरंगपुर (जिला मयूरभंज) 8 प्रत्येक; दाबुगन (जिला नवरंगपुर), कोसागुमड़ा (जिला नवरंगपुर), लहुनिपारा (जिला सुंदरगढ़), गुरुंडिया (जिला सुंदरगढ़), नंदाहांडी (जिला नवरंगपुर) 7 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र:** डोलवन (जिला तापी) 12; खानवेल (जिला दादरा एवं नगर हवेली) 8; कपराडा (जिला वलसाड) 7;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: अगुम्बे इमो (जिला शिवमोग्गा) 12;
- **छत्तीसगढ़**: रायगढ़ (जिला रायगढ़) 11; डभरा (जिला सक्ती), नानगुर (जिला बस्तर) 8 प्रत्येक; जगदलपुर (जिला बस्तर), तोकापाल (जिला बस्तर), बकावंड (जिला बस्तर), भैरमगढ़ (जिला बीजापुर), अकलतरा (जिला जांजगीर), चंद्रपुर (जिला सक्ती), मुकडेगा (जिला रायगढ़), करपावंड (जिला बस्तर) 7 प्रत्येक;
- **तटीय आंध्र प्रदेश और यनम**: वेलेयरपैड (जिला एलुरु) 10; कुनावरम (जिला अल्लुरी सीतारमारजू) 9; कुकुनूर (जिला एलुरु) 8;
- **मध्य महाराष्ट्र**: गगनबावाड़ा (जिला कोल्हापुर) 10; त्र्यंबकेश्वर (जिला नासिक) 9; हरसुल - एफएमओ (जिला नासिक) 8; महाबलेश्वर (जिला सतारा), राधानगरी (जिला कोल्हापुर) 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक**: कादरा (जिला उत्तर कन्नड़) 10; जोइडा (जिला उत्तर कन्नड़) 8; गेर्सोप्पा (जिला उत्तर कन्नड़) 7;
- **तेलंगाना**: पलावंचा (जिला बी. कोठागुडेम), गरला (जिला महबूबाबाद) 9 प्रत्येक; भद्राचलम (जिला बी. कोठागुडेम), बर्गमपाडु (जिला बी. कोठागुडेम) 8 प्रत्येक;
- **अरुणाचल प्रदेश**: नाहरलागुन (जिला पापुमपारा) 9;
- **असम और मेघालय**: घरमुरा (जिला हैलाकांडी), एन.लखीमपुर/लीलाबारी (जिला लखीमपुर) 9 प्रत्येक; मासिनराम (जिला पूर्वी खासी हिल्स), चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 7 प्रत्येक;

- **केरल और माहे**: अय्यनकुन्नु एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर) 7;
- **विदर्भ**: भामरागड (जिला गढ़चिरौली) 7;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: ज्ञानपुर (जिला भदोही) 7.

बीते 24 घंटों में दर्ज झोंकेदार हवाएँ (किमी/घंटा, 02 जुलाई 2025, 0830 बजे IST तक):

- **मराठवाड़ा**: संभाजी नगर 63, अंबेजोगाई (बीड) 59, जालना 50;
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: फ़तेहपुर और बलरामपुर 54 प्रत्येक, फ़तेहपुर 46, लखनऊ (इंटीग्रल_यूनिवर्सिटी) 41;
- **मध्य महाराष्ट्र**: महाबलेश्वर (सतारा) - 52, विल्होली (नासिक) - 50, कुर्वंडे (पुणे) और कर्जत (रायगढ़) 48;
- **सौराष्ट्र और कच्छ**: धारी 50;
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: श्री विजयपुरम 46;
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश**: उज्जैन 44;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश**: सागर 43;
- **कोंकण**: सांताक्रूज़ 43, पालघर 41;
- **बिहार**: बक्सर, डुमरांव 41; पूर्वी चंपारण, सुखेत 39; औरंगाबाद 37; बांका, सरैया, आईआईटी पटना 35; पटना, अगवानपुर, शेखपुरा 33; भोजपुर, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, राजगीर, मांझी 31; पूसा 30

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	2- Jul	3- Jul	4- Jul	5- Jul	6- Jul	7- Jul	8- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS
14	PUNJAB	ISOL	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT
18	EAST RAJASTHAN	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
25	MARATHWADA	FWS	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT
26	VIDARBHA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

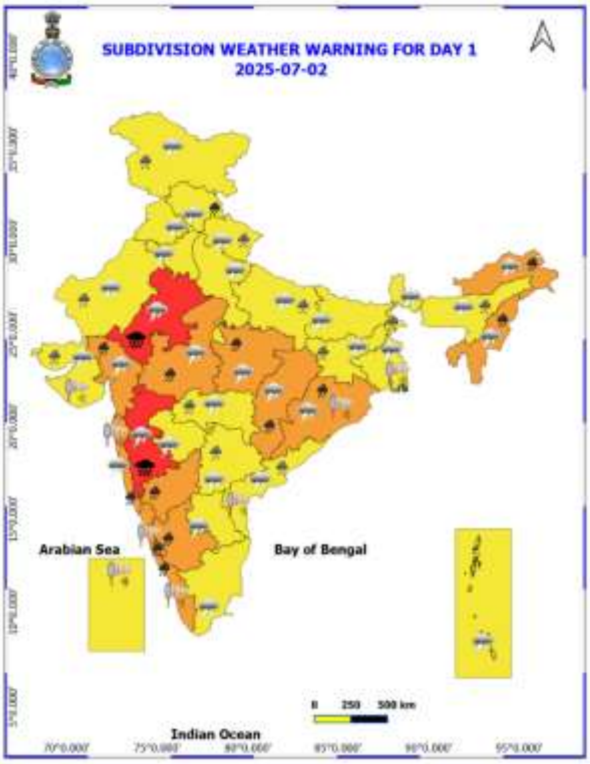
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-07-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

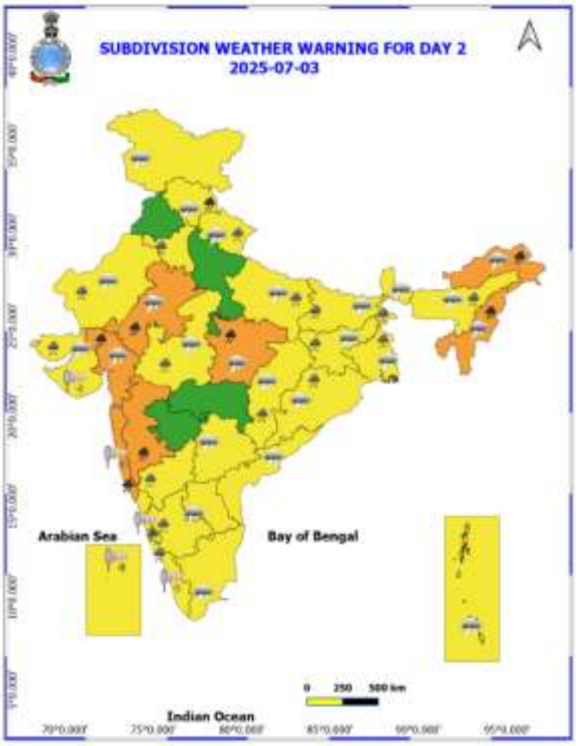
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-07-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

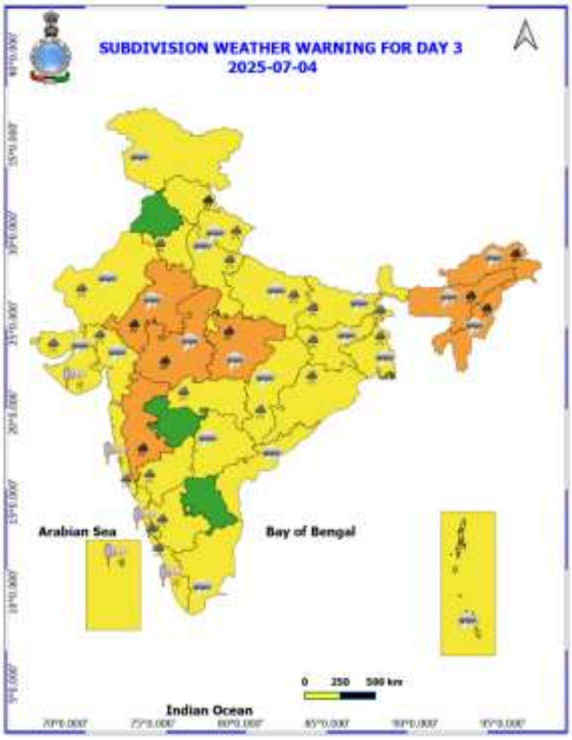
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-07-04
Arabian Sea
Bay of Bengal
0 250 500 km
Indian Ocean

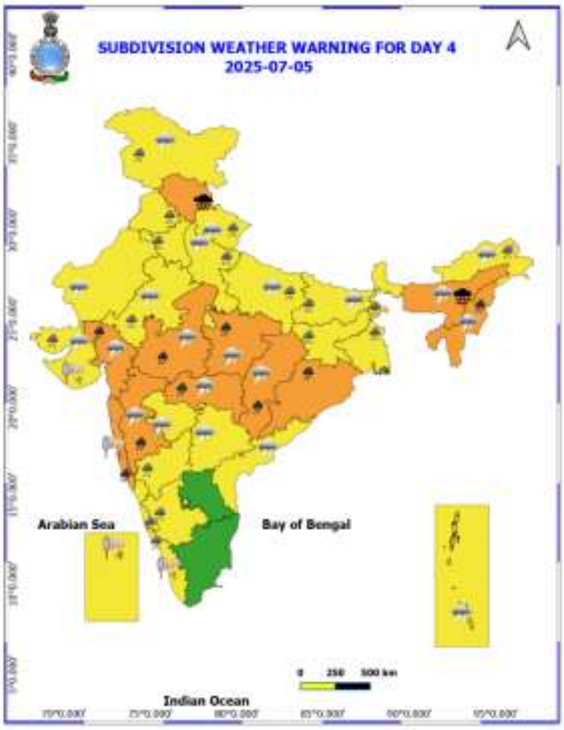

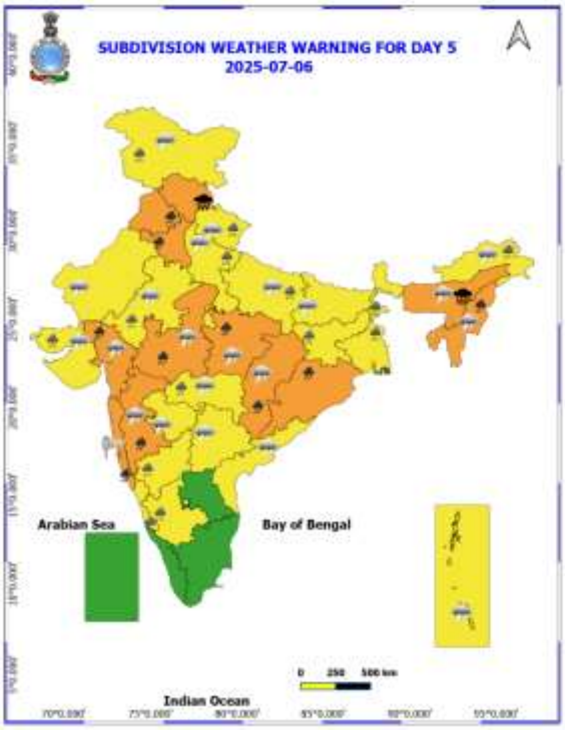

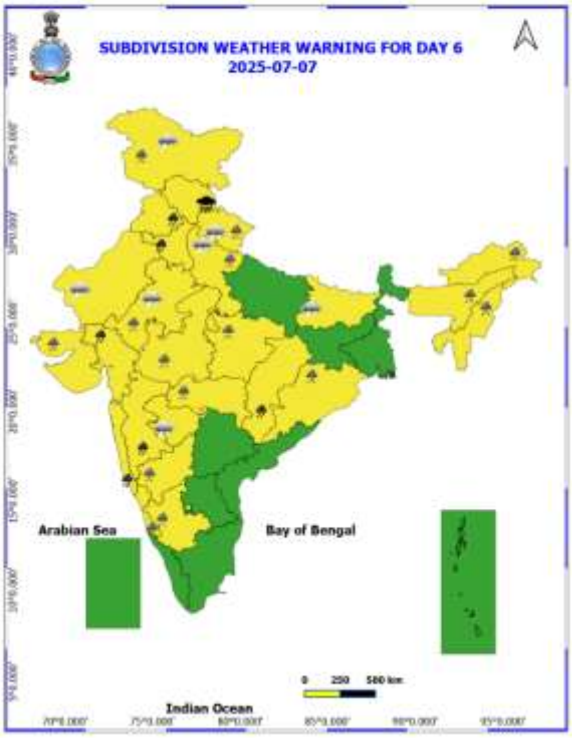

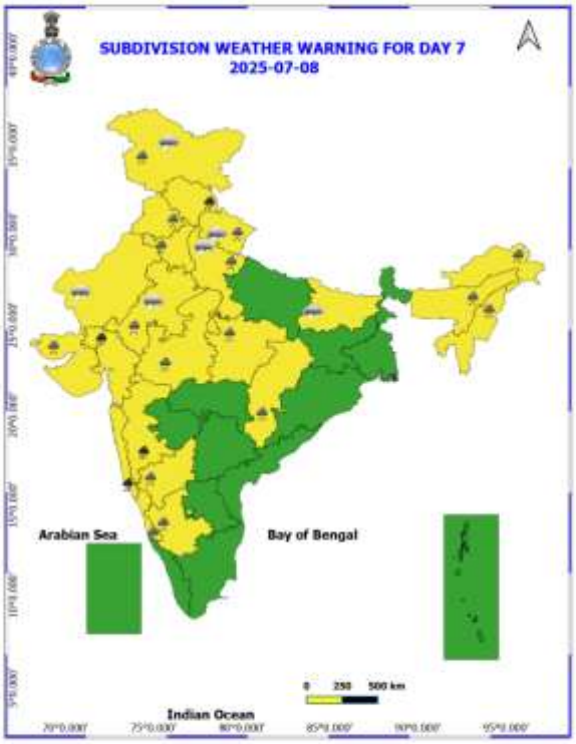

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर में 02 से 05 जुलाई 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तथा अधिकतम तापमान में 2 से 5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 26 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 5 डिग्री सेल्सियस कम रहा। आंशिक रूप से बादल छाए रहे तथा मुख्य रूप से पूर्व/दक्षिण-पूर्व दिशा से सतही हवाएं चलीं जिनकी गति 14 किमी प्रति घंटे तक रही। आज पूर्वाह्न के समय क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे तथा उत्तर-पूर्व दिशा से हवाएं 14 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चल रही थीं।

मौसम पूर्वानुमान:

02.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से सतही हवाएं चलेंगी जिनकी गति दोपहर में 15 किमी प्रति घंटे से कम होगी। शाम और रात के समय यह गति घटकर 08-10 किमी प्रति घंटे रह जाएगी।

03.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री सेल्सियस कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी जिनकी गति 15 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में यह घटकर 08-10 किमी प्रति घंटे हो जाएगी और शाम व रात को यह और घटकर 08 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी, दिशा दक्षिण-पश्चिम होगी।

04.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री कम रहेगा। सुबह पूर्व दिशा से हवाएं चलेंगी जिनकी गति 10 किमी प्रति घंटे से कम होगी। दोपहर में यह घटकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 08 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात में हवा की दिशा दक्षिण-पश्चिम हो जाएगी और गति 10 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी।

05.07.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा के साथ गरज/बिजली गिरने की संभावना। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1-3 डिग्री कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री कम रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवाएं चलेंगी जिनकी गति 20 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में यह घटकर 10 किमी प्रति घंटे से कम होगी और शाम व रात में यह गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी, दिशा दक्षिण-पश्चिम बनी रहेगी।

गरज/बिजली गिरने के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- सतर्क रहें और एहतियात बरतें, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, शाखाओं के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक या भारी नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान, और हल्की वस्तुएं उड़ सकती हैं।
- मौसम की स्थिति पर निगरानी रखें और स्थिति खराब होने पर सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें और यात्रा से बचें यदि संभव हो।
- सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की सतहों पर न लेटें और न ही दीवारों से सटें।

- इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग कर दें, पानी के स्रोतों से तुरंत बाहर निकलें, और विद्युत संचालक वस्तुओं से दूर रहें।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

❖ 02 जुलाई को पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में; 05 और 06 जुलाई को मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥20 सेमी) होने की संभावना है।

❖ 02 तारीख को केरल और कर्नाटक में; 05-07 के दौरान हिमाचल प्रदेश; 06 और 07 को पंजाब, हरियाणा और 02-04 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश; 02-06 के दौरान मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र, गुजरात क्षेत्र, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा; 04-06 के दौरान असम और मेघालय; 02, 05 और 06 जुलाई को छत्तीसगढ़, ओडिशा बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।

❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।

❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।

❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।

❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।

❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना

❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।

❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।

❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।

❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।

❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

➢ **ओडिशा** में, पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों के खेतों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए धान और सब्जियों की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें। पपीते और केले के पौधों को तेज़ हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए उन्हें मज़बूत लकड़ी का सहारा दें। **पश्चिम मध्य मैदानी क्षेत्र** में, अरहर और मूंगफली की बुआई स्थगित करें। जलभराव की स्थिति के कारण खराब अंकुरण / अंकुरण न होने की स्थिति में मक्का की दोबारा बुआई करें। **केओनझर जिले** में, मक्का और मूंग की बुआई स्थगित करें।

➢ **झारखंड में,** पहले से बोए गए मक्का के खेतों, धान और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें। सब्जी वाली फसलों की नर्सरी को पॉलीथीन शीट से ढक दें।

➢ **पश्चिम मध्य प्रदेश** में, जलभराव से बचने के लिए सब्जियों और बगानों से अतिरिक्त जल निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। **पश्चिमी मध्य प्रदेश** के **गिर्द क्षेत्र** में, बाजरे की बुवाई स्थगित करें। **पूर्वी मध्य प्रदेश** में, परिपक्व मक्का, मूंग और उड़द की कटी हुई फसल को सुरक्षित सथान पर रखें। पहले से बोए गए / रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।

- **छत्तीसगढ़** में, धान की नर्सरी, मक्का, बाजरा और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **बस्तर पठार क्षेत्र** में, भारी वर्षा के दौरान धान की रोपाई स्थगित करें।
- **पूर्वी राजस्थान** में, भिंडी और कद्दूवर्गीय सब्जियों की कटाई कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करें। मूंगफली और मूंग की फसल से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, देर से बोई गई धान की नर्सरी, मूंगफली, मूंग, मक्का और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था बनाए रखें।
- **कोंकण** में, जलभराव से बचाव हेतु धान की नर्सरी, रागी तथा मूंगफली के खेतों और बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों** में**,** जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, सब्जियों और बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- **गुजरात में**, धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें। **सौराष्ट्र और कच्छ में**, सब्जी की नर्सरी और बागवानी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें। तीव्र हवाओं और भारी वर्षा से बचाने के लिए गन्ने को मजबूत बांस से सहारा दें या पत्तियों को एक साथ बांध दें।
- **अरुणाचल प्रदेश** में, धान, सोयाबीन, सब्जी के खेतों और बागानों (कीवी, सेब) में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। निचले इलाकों में धान की नई रोपाई से बचें। सब्जियों को सहारा प्रदान करें। केले के पौधों को गिरने या तने को टूटने से बचाने के लिए बांस या लकड़ी के डंडों का उपयोग करके मजबूत सहारा प्रदान करें।
- **असम** में, तिल, फॉक्सटेल बाजरा, बोरो धान, केला और नींबू की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर रखें। साली धान की नर्सरी, मक्का और गन्ने के खेतों, सुपारी और नारियल के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **मेघालय** में, विशेष रूप से घाटियों में धान की नर्सरी की बुवाई स्थगित करें। मक्का, अदरक, फ्रेंच बीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और धान की नर्सरी के आसपास जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लोबिया, ककड़ी और लौकी को मजबूत बांस की डंडियाँ या जाली का सहारा दें ताकि बेलें गीली ज़मीन पर न लटकें। केले के पौधे को गिरने से बचाने के लिए उसे सहारा दें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, सब्जियों और फलों के बागों में जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। लताओं और लंबी सब्जी-वर्गीय फसलों (टमाटर, शिमला मिर्च आदि) के लिए सहारे को मजबूत बनाएँ। भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आलूबुखारा, नाशपाती और स्टोन-फ्रूट के पके हुए फलों की तुड़ाई करें। धान की नर्सरी और मक्का के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **उत्तराखंड** में, अरहर, मूंगफली, मक्का, गन्ना, बाजरा, रागी, धान की नर्सरी, राजमा, उड़द, मूंग, सब्जी और बागों में उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। पकी हुई सब्जियों (कद्दू, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फ्रेंच बीन आदि) और फलों को तोड़कर सुरक्षित स्थान पर रखें। गन्ने के पौधों को गिरने से बचाने हेतु आपस में बांध दें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

03-07-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड का जोखिम होने की संभावना है। नागालैंड मिजोरम मणिपुर त्रिपुरा (NMMT) - मणिपुर- चुराचांदपुर, चंदेल, उखराल, तामेंगलोंग, सेनापति, इंफाल पश्चिम जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	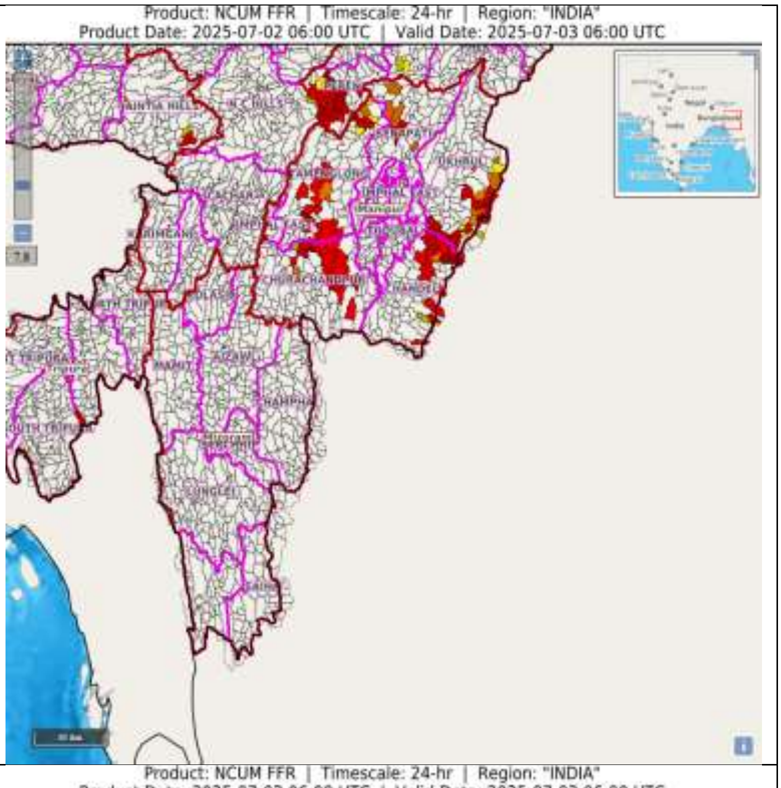
03-07-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड का खतरा होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश - चंबा, कांगड़ा, मंडी, कुल्लू और शिमला जिले। उत्तराखंड - टिहरी गढ़वाल, पौड़ी गढ़वाल, उत्तरकाशी, बागेश्वर, चमोली, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, चंपावत और अल्मोड़ा जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	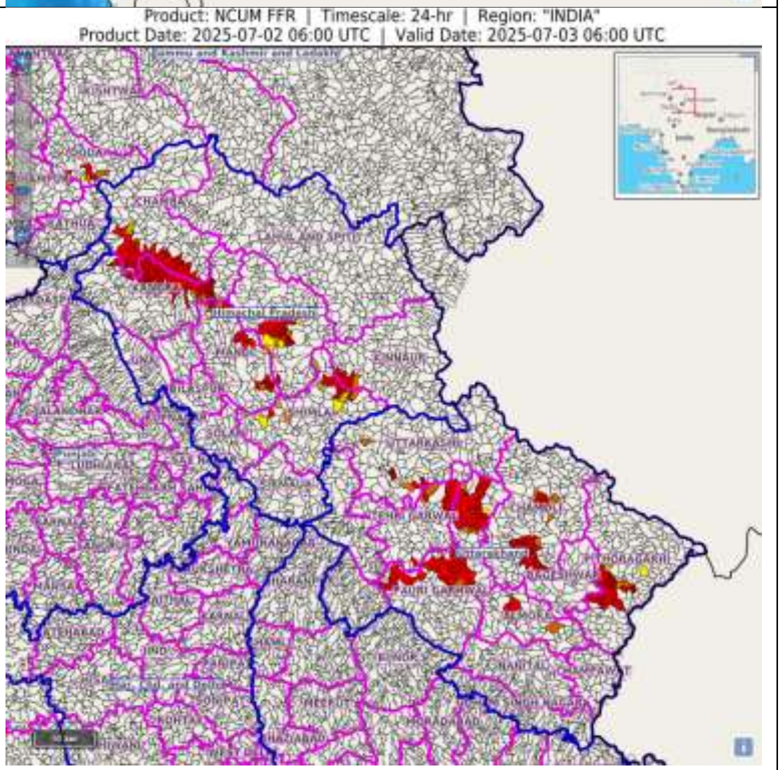

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

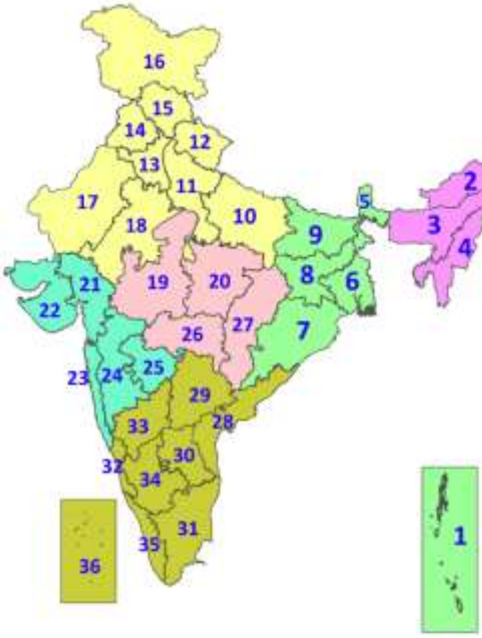

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)